कक्षा : प्रथम – जैन धर्म परिचय (परीक्षा 23 जुलाई, 2023)

उत्तरतालिका

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **15x1 = (15)**

(a) भगवान महावीर का अन्तिम अभिग्रह क्या था-
(क) मुंडा हुआ सिर (ख) पैरों में बेड़ी
(ग) आखों में आंसू (घ) राजकन्या हो (ग)

(b) दसवें गुणस्थान का क्या नाम है-
(क) क्षीण मोहनीय (ख)सूक्ष्म सम्पराय
(ग) उपशान्त मोहनीय (घ) अनिवृत्ति बादर (ख)

(c) अरिहन्त सिद्ध आदि जिन की उपासना करने वाला क्या कहलाता है-
(क) साधु (ख) जैन
(ग) श्रावक (घ) जिनेश्वर (ख)

(d) धर्म का मूल क्या है-
(क) विनय (ख) अहिंसा
(ग) सत्य (घ) अपरिग्रह (क)

(e) जोड़े हुए दोनों हाथ ललाट से लगाकर विनय पूर्वक वन्दन करना क्या कहलाता है-
(क) अंजलिकरण (ख) उत्तरासंग धारण
(ग) प्राणायाम (घ) प्रणाम (क)

(f) चोरी करने से किसका नाश होता है-
(क) दयाधर्म का (ख) धन का
(ग) धर्म का (घ) प्रतिष्ठा का (घ)

(g) 21वें तीर्थंकर का क्या नाम है-
(क) अरिष्टनेमि जी (ख) नमिनाथ जी
(ग) मुनिसुव्रत जी (घ) मल्लिनाथ जी (ख)

(h) किसका सुमिरन करने से मन वांछित सिद्धि पाता है-
(क) आचार्य का (ख) अरिहंताण
(ग) सिद्धाणं का (घ) तीनों ही सही (ग)

(i) णमोत्थुणं के पाठ का दूसरा नाम क्या है-
(क) प्राणातिपात (ख) उक्कित्तणं सुत्तं
(ग) इरियावहियं सुत्तं (घ) प्रणिपात सूत्र (घ)

(j) निम्न में काया का दोष कौनसा नहीं है-
(क) मुम्मण दोष (ख) मल दोष
(ग) आलम्बन दोष (घ) वैयावृत्य दोष (क)

(k) निम्न में से कौनसी विकथा नहीं हैं-
(क) देश कथा (ख) राम कथा
(ग) स्त्री कथा (घ) भक्त कथा (ख)

(l) शब्द के बीच में दो आधे अक्षर आवे तो कौनसे अक्षर पर जोर दिया जाता हैं-
(क) पहले वाले पर (ख) पीछे वाले पर
(ग) पहले व पीछे वाले पर (घ) किसी पर नहीं (ग)

(m) निम्न में से कौनसी पर्याप्ति है-
(क) तैजस पर्याप्ति (ख) वैक्रिय पर्याप्ति
(ग) शरीर पर्याप्ति (घ) कार्मण पर्याप्ति (ग)

(n) निम्न में से कौनसा ध्यान नहीं हैं-
(क) आर्त्तध्यान (ख) रौद्रध्यान
(ग) धर्मध्यान (घ) शुक्लाध्यान (घ)

(o) समभाव की साधना को क्या कहते हैं-
(क) प्रतिक्रमण (ख) ध्यान
(ग) निर्जरा (घ) सामायिक (घ)

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **15x1 = (15)**

(a) शब्द के अन्त में अनुस्वार(.) आवे तो म् बोलना चाहिए। (हाँ)

(b) जिन प्ररूपित तत्त्वों पर सही श्रद्धा करना चारित्र कहलाता है। (नहीं)

(c) अबहुमान दोष वचन का नहीं हैं। (हाँ)

(d) स्पर्शनेन्द्रिय के आठ विषय के 86 विकार होते है। (नहीं)

(e) आठवें बोल में आठवाँ योग व्यवहार भाषा है। (हाँ)

(f) विनय से नीच गोत्र का बन्ध नहीं होता है। (हाँ)

(g) साधु साध्वी के स्थानक में जाते समय पालने योग्य नियम को अभिगम कहते हैं। (हाँ)

(h) दार्शनिक जगत में वस्तु के स्वभाव को धर्म कहा गया है। (हाँ)

(i) पाँच महाव्रतों में परिग्रह भी एक महाव्रत है। (नहीं)

(j) प्राकृत भाषा में 'क्ष' अक्षर होता है। (नहीं)

(k) वर्तमान में पूरे 24 विहरमान हैं। (नहीं)

(l) नौवें बोल में दर्शन के पाँच उपयोग बताये हैं। (नहीं)

(m) महावीर के माता-पिता का स्वर्गवास हुआ तब महावीर की आयु 30 वर्ष की थी। (नहीं)

(n) जय बोलो महावीर स्वामी की प्रार्थना के रचियता गौतम मुनि नहीं थें। (हाँ)

(o) मनोविनोद के लिये शिकार खेला जाता है। (हाँ)

प्र.3 निम्नलिखित में क्रम से सही जोड़ी मिलाकर उत्तर रिक्तस्थान में लिखिए:- **15x1 = (15)**

(a)	चारित्र धर्म	(क) वचन दोष	13 प्रकार
(b)	ह्रस्व स्वर	(ख) शस्त्र	दीर्घ स्वर
(c)	एक मुहूर्त्त	(ग) समरवीर	48 मिनिट
(d)	सुविहिं	(घ) 48 मिनिट	पुप्फदंत
(e)	आलोचना सूत्र	(च) चोरी	इरियावहियं सुत्तं
(f)	स्वच्छन्द दोष	(छ) खुरदरा	वचन दोष
(g)	जाति	(ज) विनय	पंचेन्द्रिय
(h)	स्पर्शनेन्द्रिय	(झ) 13 प्रकार	खुरदरा
(i)	यशोदा	(य) सुदर्शन	समरवीर
(j)	श्रीपाल	(र) इरियावहियं सुत्तं	सुदर्शन
(k)	तीर्थंकर	(ल) कृपा	महावीर स्वामी
(l)	अचित्त	(व) दीर्घ स्वर	शस्त्र
(m)	व्यसन	(क्ष) महावीर स्वामी	चोरी
(n)	चारित्र	(त्र) पंचेन्द्रिय	विनय
(o)	गुरु	(ज्ञ) पुप्फदंतं	कृपा

प्र.4 मुझे पहचानो :- 15x1 = (15)

(a)	किसी का अपमान या तिरस्कार नहीं करना, मेरा लक्षण है।	विनयशीलता
(b)	मेरे त्याग से व्यक्ति अनेक खतरों से बच जाता है।	कुव्यसन
(c)	देव गुरु के समीप जाते समय लोग मुझे साथ लेकर नहीं जाते हैं	सचित्त
(d)	चौबीस तीर्थंकरों में मेरा अठारहवाँ नम्बर है।	अरनाथजी
(e)	मैं अज्ञान रूपी तिमिर को दूर करके ज्ञान रूपी प्रकाश फैलाता हूँ।	उवज्झायाणं
(f)	मैं सभी साध्वियों में प्रमुख हूँ।	चंदनबाला
(g)	भगवान महावीर स्वामी की दूसरी देशना पावा नगरी में मुझमें हुई।	महासेन उद्यान
(h)	मेरा एक भेद आठ कर्मो से मुक्त को अमुक्त श्रद्धे तो है।	मिथ्यात्व
(i)	निदान दोष मुझसे संबंधित दोष हैं।	मन
(j)	मेरा ध्यान सामायिक पालते समय करते हैं।	लोगस्स
(k)	करेमि भंते में मेरा त्याग किया जाता है।	सावद्ययोग
(l)	मेरे कारण से शब्द का अर्थ भी बदल जाता है,विपरीत अर्थ भी हो सकता है।	अशुद्ध उच्चारण
(m)	मैंने जिन धर्म के श्रुत एवं चारित्र धर्म की प्ररूपणा की।	भगवान महावीर
(n)	पंच महाव्रतों का निरतिचार पालन करना मेरी विशेषता है।	गुरु
(o)	मेरा पाठ बोलते समय बायाँ घुटना (**left**)खड़ा करते हैं।	नमोत्थुणं

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो वाक्यों में उत्तर दीजिए- 8x2 = (16)

(a) अरिहन्त को अन्य किन-किन नामों से पुकारा जाता है ?

उ. जिन, वीतराग, सर्वज्ञ, तीर्थंकर, अर्हन्, अरहन्त,अरुहन्त, विहरमान आदि सार्थक नामों से पुकारा जाता है।

(b) साधु के पाँच महाव्रत में से प्रथम महाव्रत को समझाइए।

उ. अहिंसा- मन, वचन एवं शरीर से छोटे या बड़े, त्रस या स्थावर किसी भी प्रकार के जीव की हिंसा न करना, न करवाना तथा न करने वालों का समर्थन करना।

(c) सामायिक का प्रमुख उद्देश्य क्या है ?

उ. सामायिक का प्रमुख उद्देश्य प्रिय-अप्रिय, निंदा-विकथा, सत्कार-तिरस्कार, हानि-लाभ, जीवन-मरण, शत्रु-मित्र इत्यादि विविध अवस्था में शांतचित्त रहने की क्षमता का विकास करना।

(d) कायोत्सर्ग-शुद्धि का पाठ लिखिए।

उ. कायोत्सर्ग में आर्त्तध्यान, रौद्र ध्यान ध्याया हो, धर्मध्यान, शुक्लध्यान न ध्याया हो। कायोत्सर्ग में मन, वचन, काया चलायमान हुए हों तो तस्स मिच्छा मि दुक्कडं।

(e) काया के अन्तिम चार दोष लिखिए।

उ. 1. मल दोष 2. विमासन दोष 3. निद्रा दोष 4. वैयावृत्य दोष

(f) पच्चीस बोल का सातवाँ बोल लिखिए।

उ. सातवें बोल शरीर पाँच- 1. औदारिक, 2. वैक्रिय, 3. आहारक, 4. तैजस, 5. कार्मण शरीर।

(g) इस अवधि में मैं आहारादि अपनी इच्छुसार करूंगा ये शब्द किसने किसको कहे ?

उ. ये शब्द महावीर ने स्वजनों से कहे।

(h) निश्चय में विनय की क्या परिभाषा है।

उ. निश्चय में आत्म-स्वरूप को समझकर आत्मगुणों का सम्मान करना विनय कहलाता है।

प्र.6 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन पंक्तियों में लिखिए : - 8x3 = (24)

(a) विनय के भेदों के केवल नाम लिखते हुए लोकोपचार विनय को समझाइए।

उ. भेद- 1. ज्ञानविनय, 2. दर्शनविनय, 3. चारित्रविनय, 4. मनविनय, 5. वचन विनय, 6. काया विनय। लोकोपचार विनय- गुरुजन, माता-पिता एवं गुणवानों के आने पर खड़ा होना, अभिवादन करना, उनकी आज्ञा का पालन करना तथा उनके सामने शिष्ट आचरण करना 'लोकोपचार विनय' है।

(b) भगवान महावीर के साधु, साध्वी, श्रावक व श्राविकाएँ कितने-कितने हुए एवं कितने साधु-साध्वी मोक्ष में गये ?

उ. भगवान के साधु-14000, साध्वियाँ-36000, श्रावक-159000, श्राविकाएँ-318000 थीं। उनके शासन में सात सौ साधुओं और चौदह सौ साध्वियों ने मोक्ष प्राप्त किया।

(c) एयस्स नवमस्स का पाठ लिखिए।

उ. एयस्स नवमस्स सामाइय वयस्स पंच अइयारा जाणियव्वा ण समायरियव्वा तं जहा-मणदुप्पणिहाणे, वयदुप्पणिहाणे, कायदुप्पणिहाणे, सामाइस्स सइअकरणया, सामाइयस्स अणवट्ठियस्स करणया तस्स मिच्छा मि दुक्कडं।।

(d) वचन के दस दोषों का नाम लिखिए।

उ.

1. कुवचन दोष	2. सहसाकार दोष	3. स्वछन्द दोष	4. संक्षेप दोष
5. कलह दोष	6. विकथा दोष	7. हास्य दोष	8. अशुद्ध दोष
9. निरपेक्ष दोष	10. मुम्मण दोष		

(e) जैन धर्म के अन्तिम चार सिद्धान्त लिखिए।

उ. - आत्मा की अशुभ प्रवृत्ति पाप और शुभ प्रवृत्ति पुण्य है।
- अहिंसा, संयम और तप का समुचित समन्वित आचरण श्रेष्ठ धर्म है।
- धर्म साधना में जाति-पाति का कोई भेद नहीं है।
- जगत अनादि और अनन्त है।

(f) राग द्वेष किसे कहते हैं ?

उ. अनुकूल व्यक्ति, वस्तु अथवा परिस्थिति को पाकर प्रसन्न होना 'राग' कहलाता है जबकि प्रतिकूल व्यक्ति, वस्तु, परिस्थिति को पाकर अप्रसन्न (नाराज) होना 'द्वेष' कहलाता है।

(g) पच्चीस बोल के दसवें बोल को लिखिए।

उ. दसवें बोले कर्म आठ- 1. ज्ञानावरणीय, 2. दर्शनावरणीय, 3. वेदनीय, 4. मोहनीय, 5. आयु, 6. नाम, 7. गौत्र और 8. अन्तराय कर्म।

(h) जो पाप.....मुक्तिगामी की।'' रिक्तस्थान को पूर्ण करके लिखिए।

उ. जो पाप मिटाने आया था, जिस भारत आन जगाया था।
उस त्रिशला नन्दन ज्ञानी की-जय बोलो.....
हो लाख बार प्रणाम तुम्हें, हे वीर प्रभु! भगवान तुम्हें।
'मुनि दर्शन' मुक्त-गामी की-जय बोलो.....।।